

लक्ष्मण सिंह  
(ग्राम प्रधान)

!! सत्यमेव ज्यते !!

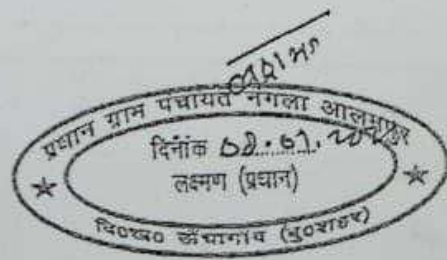
मो० नं० 9719397771  
9813048464

ग्राम पंचायत नंगला आलमपुर  
ब्लॉक ऊँचागाँव, तहसील स्याना, जिला बुलन्दशहर

पत्रांक 033/012

दिनांक 08.07.2021

प्रमाणित किया जाता है कि कल्याण सिंह कॉलिज  
ब्लॉक ऊँचागाँव, ग्राम-पो खानपुर, ब्लॉक ऊँचागाँव,  
तहसील स्याना, जनपद बुलन्दशहर, ग्रामीण क्षेत्र में  
स्थित है। ~~इसके~~ भूमि रकम ही गाटा संख्या  
681 में स्थित है।





# उद्धरण खतौनी

उद्धरण क्रमांक : 12090520230950

पत्र क्रमांक : 120905 पत्र का नाम (प्रकार) : खानपुर नगर(अहम) तहसील : स्थान बनपद : बुलन्द शहर फसली वर्ष : 1430-1435 (01 जुलाई, 2022 से 30 जून, 2028) भाग : 1  
(1) पत्रा संख्या : 00714

श्रेणी : 1-क / पृथि को संवर्धनीय भूमिपत्तों के अधिकार में हो।

खातेदार का विवरण		खातेदारी प्रारम्भ होने का विवरण		भूमि का विवरण		खातेदार का अंश		
(1) पत्रा संख्या	(2) पत्रा संख्या-वही संवर्धक-प्रबंधक का नाम / जाति कोड / अधार नं० (अन्तिम चार अंक) अथवा पैन नं० (6-9 अंकों के अंक) / पता / बन्धनस्थि (अवधारक हेतु)	(3) न्यायालय का नाम / सम्पत्तीकृत वाद संख्या अथवा अदालत संख्या / अदालत का दिनांक / बोत का अधार	(4) वर्ष	(5) गाटा (प्लॉक कोड)	(6) गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे.)	(7) हिस्से से	(8) क्षेत्रफल में (हे.)	(9) खातेदार द्वारा देय भू-राजस्व
081	विन्देश सिंह / रामवीरधर / नि. राम मजरा अलाहाबाद राजिंदर देवप्रकाश किरानेदार सोसाईटी राम मजरा अलाहाबाद / खरीदने वाला किरानेदार सुभाषचंद्र ठाकुर बकिम विन्देश / रामकुंज रामवीरधर सिंह अलाहाबाद			681(1209050681000012)	0.2330			6.30

नम - 18, टिकटलख तीन मूय सरो

खाता नं०

दर्ज किया गया

(13) अंश संख्या (हे.)	(14) पत्रा संख्या-वही संवर्धक-प्रबंधक का नाम / जाति कोड / अधार नं० (अन्तिम चार अंक) अथवा पैन नं० (6-9 अंकों के अंक) / पता / बन्धनस्थि (अवधारक हेतु)	(15) गाटे का घसरा नम्बर / प्लॉक कोड	(16) क्षेत्रफल (हे.)
-----------------------	---	-------------------------------------	----------------------

22-09-2023 03:27 PM

रकवा 0.8070हे0 कुल दो किता रकवा 0.8070हे0 प्राणी का अपना गिजो नम्बर 2। जिसमें तहसीलदार की आख्या दिनांक 24.12.2016 के अनुसार वीके पर स्कूल का निर्माण कार्य चल रहा है जिसके सम्बन्ध में प्राणी द्वारा वीके फोटोग्राफ दाखिल किये गये हैं। तहसील रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ से स्पष्ट है कि प्रश्नगत भूमि में कृषि कार्य नहीं हो रहा है स्कूल का निर्माण कार्य चल रहा है। अकृषिक भूमि घोषित किये जाने में कोई सार्वजनिक व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। 30प्र0राजस्व संहिता 2006 की धारा 80 के अनुसार प्राणी द्वारा प्रश्नगत भूमि के सर्किल रेट 6456000/- रुपये का एक प्रतिशत 64560/- रुपये राजकीय कोष में सालाना स0 6 दिनांक 27.12.2016 के द्वारा जमा किये जा चुके हैं। सालाना की प्रति पत्रावली पर चलान है। अतः तहसील आख्या दिनांक 24.12.2016 एवं फोटोग्राफ के आधार पर उपरोक्त भूमि को अकृषिक घोषित किये जाने में कोई विधिक अडचन प्रतीत नहीं होती है।

**आदेश**

अतः ग्राम खानपुर गन्दू परगना अहार तहसील स्याना जिला बुलन्दशहर के खतौनी दर्ब 1418-1423फ0 के खाता सं0 283 गाटा सं0 681 रकवा 0.2330हे0, गाटा सं0 682 रकवा 0.5740हे0 कुल दो किता रकवा 0.8070हे0 लगानी 21.95 रुपये को अकृषिक घोषित किया जाता है। आदेश की एक प्रति उप निबन्धक स्याना को निशुल्क भेजी जाय। तदानुसार परवाना अमलदरामद जारी हो। बाद आवश्यक कार्यवाही पत्रावली दाखिल दफतर हो।

दिनांक 28.12.2016



सत्य प्रति लिपि

उप जिलाधिकारी

स्याना

31/12/16

*[Signature]*  
उपजिलाधिकारी,  
स्याना।



राशि का 117 श्री जितेन्द्र भारद्वाज ए  
 प्रतिलिपि धारणा 56  
 धारणा पत्र  
 पत्तालिपि दिनांक 31/12/16  
 नोटिस 31/12/16  
 शब्द 800  
 प्रतिलिपि 7:00  
 प्रतिलिपि  
 मिला  
 मकर जयन्ती के अवसर पर

*[Signature]*  
छाया प्रति

9.11.16  
7:00

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ  
Ch. Charan Singh University, Meerut



पत्रांक :- सम्बद्धता/6215  
दिनांक :- 04/11/2022

में,  
सचिव, प्रबन्ध समिति,  
कल्याण सिंह कॉलेज ऑफ लॉ,  
खानपुर जनपद बुलन्दशहर,  
उत्तर प्रदेश।

कृपया अपने पत्र दिनांक 10.10.2022 संदर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा आपने संस्थान की प्रबन्ध समिति  
को दिनांक 11.09.2022 का अनुमोदन प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।  
उक्त के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि दिनांक 11.09.2022 को विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक  
मुज कुमार, आचार्य, भौतिक विभाग, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की उपस्थिति में महाविद्यालय  
प्रबन्ध समिति के चुनाव को चुनाव पर्यवेक्षक की अध्यक्षता के अन्तर्गत प्रबन्ध समिति गठित है-

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री दिगोद राजभूत	अध्यक्ष
02.	श्री रघुवीर सिंह	उपाध्यक्ष
03.	आरती दीप	सचिव
04.	श्री प्रदीप चौहान	उपसचिव
05.	श्री प्रवेश	कोषाध्यक्ष
06.	श्री अमित कुमार	सदस्य
07.	श्री पुष्पेन्द्र सिंह	सदस्य
08.	श्री मोनू सागवान	सदस्य
09.	श्री आम प्रकाश	सदस्य
10.	श्री चन्द्रमान	सदस्य
11.	श्री ब्रिजेन्द्र	सदस्य

मा० कुलपति जी के आदेशानुसार प्रबन्ध समिति के दिनांक 11.09.2022 को सम्पन्न हुये चुनाव को  
11.09.2022 से 10.09.2027 तक के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है।

भवदीय,

कार्यालय अधीक्षक (सम्बद्धता)


## कार्यालय तहसीलदार स्याना जनपद बुलन्दशहर।

पत्रांक सं० ६३/०३ / तहसीलदार / भूअभि० / २०२०

दिनांक १६-०७-२०२०

### प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि लेखपाल के द्वारा स्थलीय निरीक्षण / आख्या एवं विभागीय अभिलेखानुसार गाटा सं० ६६१ में स्थिति जय हिन्द वेलफेयर के नाम दर्ज भूमि ३२ फीट चौड़े मार्ग पर स्थित है एवं उपरोक्त गाटे में कोई नाली / रेलमार्ग / विद्युतिकरण हेतु कोई योजना प्रस्तावित नहीं है।

  
१६-०७-२०२०  
तहसीलदार  
स्याना, बुलन्दशहर  
स्याना जिला बुलन्दशहर।

नकल आदेश दिनांक 28/12/2016



खात्यालय  
बाद सं०-४/टी२०१६१११७१७०६४३२२  
जयहिन्द एजुकेशन वेलफेयर सोसाईटी  
मौजा - खानपुर गन्दू परगना अहार तहसील रवाणा।

सपत्तिलाधिकारी

रवाणा।

अड्डा नं०- ८०३०५०२०२०

ग्राम खम्भा

निर्णय

श्री जयहिन्द एजुकेशन सोसाईटी ग्राम नगला आलमपुर द्वारा सचिव विनोद राजपूत पुत्र रामजीलाल निवासी ग्राम नगला आलमपुर द्वारा प्रार्थना पत्र द्वारा आशय का प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम खानपुर गन्दू के खाता सं० २८३ खेत नम्बर ६८१/०.२३३०हे०, ६८२/०.५७४०हे० व खाता सं०४३६ गाटा सं० ६८४स/०.०२२०हे०, ६८३स/०.२१७०हे० व खाता सं० ६८३स/०.१८३हे० को आबादी घोषित कराये जाने का अनुरोध किया गया है।

बादी द्वारा अपने कथन के समर्थन में ग्राम खानपुर गन्दू की खतौनी वर्ष १४१८-१४२३फ० खाता सं० २८३, ४३६, ४११, २८३, व खसरा वर्ष १४२३फ० गाटा सं० ६८३, ६८४, ६८१, ६८२ की नकल एवं स्थल की फोटोग्राफ दाखिल किये गये हैं।

बादी के बाद पत्र पर तहसील से आख्या प्राप्त की गयी। राजस्व निरीक्षक की आख्या दिनांक २०.१२.२०१६ जिसे तहसीलदार द्वारा दिनांक २४.१२.२०१६ को संस्तुति सहित प्रेषित किया गया है में उल्लेख किया गया है कि ग्राम खानपुर के खाता सं० २८३ गाटा सं ६८१ रकवा ०.२३३०हे० व गाटा सं० ६८२ रकवा ०.५७४०हे० कुल दो किता रकवा ०.८०७०हे० राजस्व अभिलेखों में जयहिन्द एजुकेशन वेलफेयर सोसाईटी ग्राम नगला आलमपुर द्वारा विनोद राजपूत पुत्र रामजीलाल निवासी नगला आलमपुर के नाम सं०भू० के रूप में है। उक्त गाटों में मौके पर कोई कृषि कार्य नहीं हो रहा है। मौके पर स्कूल के निर्माण का कार्य चल रहा है। उक्त नम्बरों को अकृषिक भूमि घोषित करने पर सार्वजनिक व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्रसंगत भूमि की मालियत सर्किल रेट के अनुसार ६४५६०००.०० रुपये होती है जिसका एक प्रतिशत रू० ६४५६०.०० होता है। ग्राम खानपुर के गाटा सं० ६८१ रकवा ०.२३३०हे० व गाटा सं० ६८२ रकवा ०.५७४०हे० कुल दो किता रकवा ०.८०७०हे० को अकृषिक भूमि घोषित किये जाने की संस्तुति की गयी है।

प्रार्थी को सुना गया तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ग्राम खानपुर गन्दू परगना अहार की खतौनी वर्ष १४१८-१४२३फ० खाता सं० २८३, गाटा सं० ६८१ रकवा ०.२३३०हे० गाटा सं० ६८२ रकवा ०.५७४०हे० व खाता सं० ४३६ गाटा सं० ६८४स/०.०२२०हे० व गाटा सं० ६८३स रकवा ०.२१७०हे० व खाता सं० ४११ गाटा सं० ६८३स रकवा ०.१८३०हे० पर जयहिन्द एजुकेशन सोसाईटी वेलफेयर ग्राम नगला आलमपुर द्वारा विनोद राजपूत पुत्र रामजीलाल निवासी ग्राम नगला आलमपुर के नाम संकमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है। चूंकि खतौनी वर्ष १४१८-१४२३फ० के खाता सं० ४३६ व ४११ में गाटा सं० ६८३स व ६८४स मिनजुमला नम्बर हैं। इस कारण गाटा सं० ६८३स व ६८४स का अकृषिक घोषित नहीं किया जा सकता। गाटा सं० ६८१ रकवा ०.२३३०हे० व गाटा सं० ६८२

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ  
Ch. Charan Singh University, Meerut



पत्रांक :- सम्बद्धता/4215  
दिनांक :- 04/11/2022

में,  
सचिव, प्रबन्ध समिति,  
कल्याण सिंह कॉलेज ऑफ लॉ,  
खानपुर जगपद बुलन्दशहर,  
उत्तर प्रदेश।

य,  
कृपया अपने पत्र दिनांक 10.10.2022 संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा आपने संस्थान की प्रबन्ध समिति  
चुनाव दिनांक 11.09.2022 का अनुमोदन प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

उक्त के संदर्भ में सूचित किया जाता है कि दिनांक 11.09.2022 को विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक  
मनोज कुमार, आचार्य, भौतिक विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की उपस्थिति में महाविद्यालय  
प्रबन्ध समिति के चुनाव को चुनाव पर्यवेक्षक की आख्या के आधार पर प्रबन्ध समिति गिनाया है-

क्र.सं.	नाम	पद
01.	श्री विनोद राजभूषण	अध्यक्ष
02.	श्री रघुवीर सिंह	उपाध्यक्ष
03.	जारती दीप	सचिव
04.	श्री प्रदीप चौहान	उपसचिव
05.	श्री प्रवेश	कोषाध्यक्ष
06.	श्री अमित कुमार	सदस्य
07.	श्री पुष्पेन्द्र सिंह	सदस्य
08.	श्री मोनू सागवान	सदस्य
09.	श्री आम प्रकाश	सदस्य
10.	श्री चन्द्रभान	सदस्य
11.	श्री विलेन्द्र	सदस्य

10 कुलपति जी के आदेशानुसार प्रबन्ध समिति के दिनांक 11.09.2022 को सम्पन्न हुये चुनाव को  
11.09.2022 से 10.09.2027 तक के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है।

भवदीय,

कार्यालय अधीक्षक (सम्बद्धता)

पाठ्यक्रम के संचालन पर पड़ने वाला समस्त व्ययभार संस्था द्वारा वहन किया जाएगा। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय या राज्य सरकार से किसी प्रकार सहायता/राजसहायता की मांग नहीं की जाएगी।

6- संस्था द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति आवेदन पत्र की प्रविष्टियों में भविष्य में यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व संस्था का होगा और अनापत्ति स्वतः निरस्त समझी जाएगी।

7- शासनादेश संख्या:-2103/सत्तर-2-2012-2(166)/2012 दिनांक: 09.08.2012 के अन्तर्गत प्राप्त अनापत्ति पर/सम्बद्धता प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय द्वारा इस शर्त को सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रवर्षित वर्ष के 31 दिसम्बर के पश्चात प्राप्त होने वाले अनापत्ति/निर्बाधन (क्लीयरेंस) प्रस्ताव पर सम्बद्धता की पूर्वानुमति अगले शिक्षण सत्र के अनुगामी शिक्षण सत्र से देय होगी।

8- परास्नातक पाठ्यक्रमों/विषयों हेतु सशर्त अनापत्ति इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान की जा रही है कि सम्बन्धित महाविद्यालय निरीक्षण मण्डल गठन के पूर्व नैक मूल्यांकित होने तथा नैक मूल्यांकन प्रक्रियाधीन होने (एस.एस.आर. जमा होने) का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा।

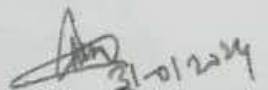
9- विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्राप्त होने के पश्चात उक्त पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाएगा। विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त किये बिना सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रवेश की कार्यवाही कदापि प्रारम्भ नहीं की जाएगी। सम्बद्धता प्राप्त किये बिना यदि प्रवेश किये जाते हैं तो ऐसे प्रवेश वैध नहीं होंगे तथा इसके सम्बन्ध में कोई भी दावा विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह अनापत्ति संस्था द्वारा प्रस्तुत वर्तमान अभिलेखों/प्रपत्रों के आधार पर प्रदान की जा रही है, यदि इसमें भविष्य में कोई परिवर्तन होता है, तो अनापत्ति स्वतः निरस्त समझी जायेगी एवं इसके लिए सचिव/प्रबन्धक, प्रबन्ध समिति स्वयं जिम्मेदार होंगे।

कुल सचिव

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी, Bulandshahr
3. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ मण्डल, लखनऊ।
4. प्रबन्धक/सचिव, Kalyan Singh College of Law
5. निजी सचिव कुलपति, मा० कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
6. गार्ड फाइल।

  
कुल सचिव





ऑनलाइन एनओसी एण्ड अफिलिएशन सिस्टम ONLINE NOC & AFFILIATION SYSTEM

CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT

MEERUT-250002

सन्दर्भ संख्या: CHARANUNI/संच/अनापत्ति/ 4389  
/2024

दिनांक: 31/01/2024

**अनापत्ति पत्र-पूर्व संचालित महाविद्यालय**

शासनादेश संख्या-2103/सत्तर-2-2012-2(166)/2012 दिनांक: 09.08.2012 के अन्तर्गत गठित समिति द्वारा शासनादेश संख्या-1963/सत्तर-2-2013-16(165)/2012 टीसी दिनांक: 11.12.2013, शासनादेश संख्या-710/सत्तर-2-2014-16(165)/2012 टीसी, दिनांक: 14 नवम्बर, 2014 एवं शासनादेश संख्या:-23/2016/772/सत्तर-2-2016-16(116)/2015 टीसी-11 दिनांक: 22 दिसम्बर, 2016 के क्रम में अनापत्ति समिति की बैठक दिनांक: 31/01/2024 में लिये गये निर्णय के अन्तर्गत संचालक सोसाइटी JAI HIND EDUCATION WELFARE SOCIETY द्वारा प्रस्तावित Kalyan Singh College of Law को UG स्तर पर

Course Name

Subject Name

1 BACHELOR OF LAW(5 YEARS)

LAW

स्वतंत्रपोषित योजनान्तर्गत संस्था द्वारा प्रस्तुत प्रपत्रों/अभिलेखों के कार्यालयी परीक्षण के आधार पर शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने हेतु निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनापत्ति प्रदान की जाती है

1- पाठ्यक्रम का संचालन अनापत्ति हेतु उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव में दर्शाई गई भूमि : KHANPUR में स्थित गाटा संख्या का विवरण-

sr.	Gata/plot no	Area(SQM)
1	681	2000

पर निर्मित भवन में ही किया जाएगा। अन्य भूखण्ड या स्थान पर संचालित किये जाने की स्थिति में यह अनापत्ति स्वतः निरस्त मानी जाएगी।

2- यह अनापत्ति शासनादेश दिनांक: 22 दिसम्बर, 2016 के क्रम में महाविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किये गये भूमि सम्बन्धी शपथ पत्र एवं महाविद्यालय को पूर्व निर्गत अनापत्ति के आधार पर निर्गत की जा रही है तथापि महाविद्यालय के नाम भूमि के विधितः अंकित होने एवं भूमि/गाटों की संयुक्तता आदि में विसंगति की स्थिति में समस्त उत्तरदायित्व महाविद्यालय का होगा।।

3- उक्त पाठ्यक्रम में सम्बद्धता की स्वीकृति तभी दी जाएगी जब संस्था शासनादेश सं०-3075/सत्तर-2-2002-2 (166)/2002 दिनांक 27.09.2002 एवं समय-समय पर जारी तत्सम्बन्धी शासनादेशों में विनिर्दिष्ट मानकों के अनुसार सभी आवश्यकताओं एवं औपचारिकताओं को पूर्ण कर लेगी।

4- उक्त संस्था भविष्य में भूमि, भवन अथवा अन्य किसी प्रकार की वित्तीय सहायता के लिए न तो विश्वविद्यालय एवं न ही राज्य सरकार से मांग करेगी और न ही उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के कारण उत्पन्न हुई देनदारी विश्वविद्यालय या राज्य सरकार की होगी।